E
Batch - 2020-21

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : मई – २०२२

सत्र – १

विषय : आधुनिक गद्य : उपन्यास एवं कहानी (HDS - 101)

दि.: २७/०५/२०२२ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.३०**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ 'विपात्र' उपन्यास में महानगरीय जीवन की व्यथा और वेदना का लेखा जोखा है – उपन्यास की स्थितियाँ एवं चरित्रों के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

प्र. २ 'विपात्र' उपन्यास में चित्रित समस्याओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ३ आधुनिक हिंदी कहानी के स्वरुप को स्पष्ट करते हुए, 'रसप्रिया' कहानी की कथावस्तु पर संक्षेप में प्रकाश डालिए ।

प्र. ४ 'अकेली' कहानी की कथावस्तु को स्पष्ट करते हुए, उसमे चित्रित समस्याओं को रेखांकित कीजिए ।

प्र. ५ 'पेपरवेट' कहानी में चित्रित राजनीतिक भ्रष्टाचार की स्थितियों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ६ कर्म जिज्ञासा के महत्व को स्पष्ट करते हुए जीवन में कर्म के स्थान को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ७ कर्म एवं अकर्म के संदर्भ में गीता में व्यक्त विचारों को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ८ गीात रहस्य के कर्मयोग शास्त्र के दर्शन को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ९ **निम्नलिखित अवतरणों में से किन्ही दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।**

१) मानसिक रुप से वह कॅलिफोर्निया या हॉवर्ड युनिव्हर्सिटियों के इलाके में घूमता ।

२) धूल में पडे किंमती पत्थर को देखकर जौहरी के आँखों में एक नई झलक झिलमिला गई, अपरुप रुप ।

३) धर्म से ही अर्थ और काम की प्राप्ति होती है इस प्रकार के धर्म का आचरण तुम क्यों नही करते हो ?

४) अरे, मैं तो कहूँ कि घरवालों को कैसा बुलावा ?

प्र.१० **निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।**

१) 'विपात्र' उपन्यास का शीर्षक
२) 'रसप्रिया' कहनी का मोहना
३) धर्म–अधर्म का निर्णय
४) बॉस का दरबार